आई.एस.बी.एन. : 978-93-7029-852-1

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3 अंक-27
सितम्बर, 2025

प्रकाशक
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

Editors :

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)

Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 37

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

मानसिक स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदः ध्यान-औषधि और आहार

मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का एक अनिवार्य पहलू है, जो न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक चिकित्सा इनका उपचार तो करती है, परंतु इसके दुष्प्रभाव भी होते हैं। ऐसे में, आयुर्वेद और योग एक प्राकृतिक और समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, जो न केवल लक्षणों को दूर करते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को जड़ से सशक्त बनाते हैं।

आयुर्वेद, जिसे "जीवन का विज्ञान" कहा जाता है, यह मानता है कि मन और शरीर का स्वास्थ्य एक–दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ है। आयुर्वेद के अनुसार हमारे शरीर में तीन प्रमुख दोष–वात, पित्त और कफ होते हैं। जब ये दोष संतुलित रहते हैं, तो व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है। वात दोष का असंतुलन चिंता और अनिद्रा का कारण बनता है, पित्त दोष चिड़चिड़ापन और क्रोध को बढ़ाता है, जबकि कफ दोष आलस्य और अवसाद को जन्म देता है। इसलिए आयुर्वेद इन दोषों को संतुलित करके मन की स्थिरता और शांति को पुनः स्थापित करता है।

योग मन और शरीर को जोड़ने की एक प्राचीन भारतीय विधा है। इसमें आसन, प्राणायाम और ध्यान का समावेश होता है, जो तंत्रिका तंत्र को संतुलित करते हैं और तनाव को कम करते हैं। योग का नियमित अभ्यास मन की स्पष्टता बढ़ाता है, नकारात्मक भावनाओं को कम करता है और आत्मविश्वास में वृद्धि करता है। सूर्य नमस्कार, वज्रासन और शवासन जैसे आसन तथा अनुलोम–विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायाम मानसिक शांति और स्फूर्ति प्रदान करते हैं।

ध्यान मानसिक शुद्धि की एक प्रभावी प्रक्रिया है। यह मन को शांत कर नकारात्मक विचारों को दूर करता है और व्यक्ति को अधिक संतुलित बनाता है। नियमित ध्यान से सात्विक गुणों में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति अधिक शांत, धैर्यवान और सकारात्मक बनता है। आयुर्वेद में कई मध्य रसायन औषधियाँ बताई गई हैं जो मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाती हैं, जैसे ब्राह्मी, जो स्मृति और एकाग्रता बढ़ाती है, (शंखपुष्पी, जो चिंता और अनिद्रा में लाभदायक है) अश्वगंधा, जो तनाव हार्मोन को नियंत्रित करती है और ऊर्जा प्रदान करती है तथा जटामांसी, जो मन को शांत करने और अवसाद में सहायक है। इन औषधियों का सेवन आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए।

आयुर्वेद के अनुसार "हम वही हैं जो हम खाते हैं।" सात्विक आहार मानसिक स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना गया है। ताजे फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज और घी मस्तिष्क को पोषण देते हैं और सेरोटोनिन का स्तर बढ़ाते हैं, जिससे मन संतुलित रहता है। वहीं, राजसिक और तामसिक भोजन जैसे तला हुआ, मसालेदार या प्रोसेस्ड खाना मन में बेचैनी और आलस्य उत्पन्न करता है, इसलिए इससे बचना चाहिए।

आयुर्वेद और योग का संयोजन मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक सम्पूर्ण समाधान प्रस्तुत करता है। नियमित योगाभ्यास, ध्यान, संतुलित आहार और आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर व्यक्ति मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य कोई एक बार हासिल करने वाली अवस्था नहीं है, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जिसे नियमित अभ्यास, सकारात्मक सोच और स्वस्थ दिनचर्या से बनाए रखा जा सकता है। आयुर्वेद और योग का यह समग्र दृष्टिकोण आधुनिक जीवन में मानसिक शांति और सुखद जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है।

राम गोपाल तिवारी

स्वयंसेवक, अष्टावक्र इकाई, आयुर्वेद संकाय

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रथम एकदिवसीय शिविर

माता शबरी इकाई

एकदिवसीय शिविर में ग्रामीणों को जन औषधि केन्द्र के बारे में जागरूक करते स्वयंसेवक

दिनांक : 14 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मेसी संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा प्रथम एकदिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम रहमत नगर में आयोजित किया गया। शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने ग्राम सभा रहमतनगर, मानीराम मे जाकर ग्रामीणों को जन औषधि परीयोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को इस योजना के लाभ बताए, जैसे कि सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की उपलब्धता, स्वास्थ्य देखभाल में आर्थिक राहत, तथा सरकारी योजनाओं से जुड़कर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उपाय। अभियान के दौरान ग्रामीणों को जन औषधि योजना से परिचित कराते हुए उन्हें बताया गया कि किस प्रकार वे नजदीकी जन औषधि केंद्र से दवाइयाँ प्राप्त कर सकते हैं और जरूरतमंदों की मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही स्वयंसेवकों ने जन औषधि केंद्र खोलने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी।

ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे इस योजना के तहत आर्थिक सहायता एवं आवश्यक दस्तावेजों के माध्यम से जन औषधि केंद्र स्थापित कर समाज सेवा में भाग लिया जा सकता है। यह अभियान राष्ट्र सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। उनके निर्देशन में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ग्रामवासियों के बीच स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जन औषधि योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाना है।

आयुर्वेद दिवस समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

दिनांक : 17 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई द्वारा आयुष मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग एवं भारत सरकार युवा कार्यक्रम मंत्रालय युवा कार्यक्रम विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, क्षेत्रीय निदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्देशित आयुर्वेद मानवता और प्रकृति के लिए विषय पर 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह का शुभारंभ प्राचार्य गिरिधर वेदांतम द्वारा किया गया। सप्ताहिक समारोह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसण में बीएएमएस विद्यार्थीयों और चिकित्सकों ने छात्रों और शिक्षकों को आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के महत्व एवं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किए।

चौबेपुर गांव, महाराज गंज चौराहे पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श और आयुर्वेदिक पद्धति से स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत विद्यार्थियों में आयुर्वेद के प्रति रुचि जागृत करने हेतु आयुर्वेद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य गिरिधर वेदांतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है। आज की जीवनशैली में

आयुर्वेद की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि आयुर्वेद की परम्परा को न केवल शैक्षणिक संस्थानों में, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाएं।

विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम संयोजक डॉ शांति भूषण ने बताया कि आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 17 सितंबर से 23 सितंबर तक चिकित्सक और विद्यार्थी विभिन्न ग्रामों, नगरों में निशुल्क चिकित्सा शिविर, मैराथन दौड़, आयुर्वेद आहार आदि कार्यक्रम के

माध्यम से सभी नागरिकों को आयुर्वेद से जोड़ेंगे।

इस दौरान विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं और अतिथि व्याख्यान का भी आयोजन किया जाएगा।समस्त कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, भारद्वाज इकाई एवं आत्रेय इकाई के स्वयंसेवकों बीएएमएस विद्यार्थियों और चिकित्सकों की सहभागिता से संपन्न हुए। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. सुमित, कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण, सह संयोजिका डॉ. मिनी एवं डॉ. देवी , डॉ. अवनीश द्विवेदी एवं डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ श्री नाथ, डॉ वैसाख, डॉ विनम्र , डॉ सार्वभौम और सुमेश,अंजली,केशू , नितेश, सिद्धांत, उत्कर्ष,सभी चिकित्सक और बीएएमएस विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

आयुर्वेद सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 18 सितम्बर, 2025। आयुर्वेद दिवस समारोह 2025 के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज और राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई और भारद्वाज इकाई द्वारा विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस क्रम में गोरखनाथ मंदिर परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन एवं आसपास के क्षेत्रों में आयुर्वेद जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को आयुर्वेद की महत्ता से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। विश्वविद्यालय के आयुर्वेदाचार्यों और विद्यार्थियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया तथा रोग–निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन हेतु जड़ी–बूटियों के प्रयोग, आहार–विहार के नियमों एवं दैनिक दिनचर्या की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। इसी क्रम में चौकी माफी ग्राम में "हर घर, हर दिन आयुर्वेद" के उद्देश्य से तथा कृषि विज्ञान केन्द्र में भी विशेष आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने सामान्य रोगों के लिए घरेलू उपचार, औषधीय पौधों के महत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को सरल भाषा में

बताया।

ग्रामीण अंचल के नागरिकों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण प्रणाली है।

यदि हम अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक सिद्धांतों, आहार–विहार और प्राकृतिक औषधियों का समुचित प्रयोग करें, तो न केवल रोगों से मुक्ति पा सकते हैं बल्कि एक संतुलित, निरोग और सुखमय जीवन व्यतीत कर सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आयुर्वेद भारतीय परंपरा की आत्मा है और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक आयुर्वेद का संदेश पहुँचे और लोग प्रकृति आधारित जीवनशैली अपनाकर दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित डॉ. रिनिझिन, डॉ. रचना, डॉ. धन्या, डॉ. यास्मीन, डॉ. सार्वभौम, डॉ. श्रीनाथ और डॉ. संध्या पाठक द्वारा किया गया।

इन कार्यक्रमों में बीएएमएस विद्यार्थी, स्वयंसेवक, स्थानीय नागरिक, छात्र–छात्राएँ एवं स्वास्थ्यकर्मी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

प्रथम एकदिवसीय शिविर — शिवाजी इकाई

एकदिवसीय शिविर के अंतर्गत ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा एवं ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी देते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 19 सितम्बर, 2025। स्वच्छता पखवाड़ा 5.0 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना शिवाजी इकाई द्वारा ग्राम मानीराम में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वच्छता ही सेवा 5.0 अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की चिकित्सा विज्ञान में संचालित शिवाजी इकाई द्वारा ग्राम मानीराम में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर ग्रामीण समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं डिजिटल सुरक्षा जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे हुआ। प्रातः 10:00 बजे स्वयंसेवक विश्वविद्यालय परिसर से बस द्वारा रवाना होकर गाँव पहुँचे। शिविर स्थल पर पहुँचने के बाद स्वयंसेवकों का ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। तत्पश्चात् सभी स्वयंसेवकों को छह समूहों में विभाजित कर विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्यवर्धक विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रत्येक समूह ने अपने–अपने विषय पर पोस्टर प्रस्तुति, रचनात्मक गतिविधियाँ और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।

प्रथम समूह ने" उच्च रक्तचाप –: एक मौन हत्यारा" विषय पर ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि उच्च रक्तचाप बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे–धीरे शरीर को नुकसान पहुँचाता है और यह हृदयाघात एवं स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

उच्च रक्तचाप से बचने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, धूम्रपान एवं मद्यपान से परहेज और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है।

द्वितीय समूह ने "स्वच्छता ही स्वास्थ्य है" विषय पर पोस्टर एवं सफाई अभियान चलाया। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि घर एवं आसपास की स्वच्छता बनाए रखना रोगों की रोकथाम का सबसे बड़ा उपाय है। इस दौरान स्वयंसेवकों ने गाँव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान भी चलाया।

तृतीय समूह ने "डायबिटीज धीरे–धीरे बढ़ने वाली खामोश बीमारी" विषय पर प्रस्तुति दी। उन्होंने ग्रामीणों को मधुमेह के लक्षण, कारण और रोकथाम की जानकारी दी। समूह ने विशेष रूप से बताया कि

नियमित पैदल चलना, व्यायाम करना और हरी सब्जियों एवं अनाजों का सेवन इस बीमारी से बचाव के लिए अत्यंत लाभकारी है।

चतुर्थ समूह ने "सड़क सुरक्षा जीवन की सुरक्षा" विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। उन्होंने यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, सड़क पर मोबाइल के उपयोग से बचने और शराब पीकर वाहन न चलाने का संदेश दिया। पंचम समूह ने "साइबर सुरक्षा डिजिटल युग की जरूरी ढाल" विषय पर ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इंटरनेट और मोबाइल के उपयोग में सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। एटीएम, ओटीपी और पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करना चाहिए। षष्ठम समूह ने "नशामुक्ति" विषय पर पोस्टर प्रदर्शित किए। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को खराब करता है बल्कि परिवार और समाज पर भी बुरा प्रभाव डालता है। नशामुक्त जीवन ही स्वस्थ और सफल जीवन का आधार है।

ग्रामवासियों ने कार्यक्रम में अत्यंत रुचि दिखाई और स्वयंसेवकों की प्रस्तुतियों की सराहना की। ग्राम प्रधान श्री कृष्ण मोहन ने इस शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि "गाँव में ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए क्योंकि यह ग्रामीण समाज को शिक्षित एवं जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

"शिविर का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल के नेतृत्व में हुआ। इस शिविर में डॉ. विद्यासागर, डॉ. शीतल शर्मा एवं डॉ. प्रवीन गौतम का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

चिकित्सा शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

आयुर्वेद सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 19 सितम्बर, 2025। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अवसर पर महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई और भारद्वाज इकाई के द्वारा आज ग्राम सिक्टौर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में आयुर्वेदाचार्यों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जाँच की और रोग निवारण हेतु आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर मरीजों को निःशुल्क औषधियाँ भी वितरित की गईं। शिविर में आहार–विहार, योग, दिनचर्या और घरेलू औषधियों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। स्वयंसेवकों ने पंजीकरण, औषधि वितरण और जन जागरूकता गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि आयुर्वेद केवल रोग उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की संपूर्ण जीवनशैली है।

ग्रामीणों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद को अपनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस

अवसर पर डॉ. अवनीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय जीवनदर्शन का अभिन्न अंग है। इसकी जड़ें हमारी संस्कृति और परंपरा से जुड़ी हुई हैं। यदि हम आहार–विहार में संतुलन और आयुर्वेद के सिद्धांतों को जीवन में उतार लें, तो न केवल बीमारियों से बचाव संभव है बल्कि समाज को पूर्णतः स्वस्थ और समृद्ध बनाया जा सकता है।

शिविर का संचालन डॉ शांति भूषण, डॉ विष्णु माया , डॉ किरण रेड्डी, डॉ अखिलेश सहित बीएएमएस विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिविर आयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय एवं डॉ. वैशाख आर के नेतृत्व में किया गया।

व्याख्यान : स्वच्छता पखवाड़ा 5.0 अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक : 19 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वच्छता ही सेवा 5.0 अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना पारिजात इकाई द्वारा "सुरक्षित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम" के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. शालिनी मान (एम. डी., माइक्रोबायोलॉजी) रहीं। उन्होंने बताया कि "बायोमेडिकल अपशिष्ट का गलत निपटान संक्रमण, प्रदूषण और गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। अस्पतालों, क्लीनिकों और प्रयोगशालाओं में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट को यदि सही ढंग से पृथक और नष्ट नहीं किया जाता, तो यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है।" उन्होंने छात्रों को अपशिष्ट वर्गीकरण के बारे में विस्तार से बताया और "Refuse] Reduce] Reuse vkSj Recycle" की आदतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

साथ ही उन्होंने कहा कि बायोमेडिकल कचरे को रंगीन डिब्बों (कलर–कोडिंग सिस्टम) में अलग–अलग डालना अनिवार्य है। कार्यशाला के दौरान उन्होंने हाथ धोने की सही तकनीक (Hand Hygiene), सुरक्षात्मक उपकरणों (PPE Kits, Gloves, Masks) के प्रयोग और संक्रमण से बचाव के अन्य उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

छात्रों ने इस कार्यशाला में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और इसे अपने दैनिक जीवन के साथ–साथ भविष्य में

बॉयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की जानकारी देतीं डॉ. शालिनी मान

पेशेवर जीवन में भी अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का संचालन संजना गुप्ता ने किया। स्वागत भाषण श्रेया पांडे तथा धन्यवाद ज्ञापन ममता गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता विमल कुमार दुबे कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. सचिदानंद सिंह सहित राष्ट्रीय सेवा योजना पारिजात इकाई के अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं और विशेषज्ञों ने "स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन" का संदेश दिया और यह संकल्प लिया कि सभी विद्यार्थी अपने–अपने स्तर पर स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की आदतों को अपनाएंगे तथा समाज को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

जन जागरूकता रैली

राष्ट्रीय सेवा योजना

जन जागरूकता रैली का आयोजन करते स्वयंसेवक

दिनांक : 20 सितम्बर, 2025। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अवसर पर आज गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अष्टावक्र इकाई के संयुक्त तत्वावधान में महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय से ग्राम सोनबरसा तक आयुर्वेद के प्रति जन–जागरूकता हेतु एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, आचार्यगण, चिकित्सकगण, बीएएमएस विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर आयुर्वेद की महत्ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया। रैली के मार्ग में स्थानीय लोगों को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और जन–जागरूकता के नारे लगाए गए। विशेष आकर्षण के रूप में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई, जहां प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों , शिक्षकों,चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक फोटो लेकर इस अभियान को यादगार बनाया। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ

गिरिधर वेदांतम ने इस अवसर पर कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जो न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती है। जन–जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की रैलियाँ समाज को प्रकृति–सम्मत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करती हैं और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनती हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण ने कहा आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि यह जीवन का मार्गदर्शन है। इस प्रकार की गतिविधियों से ग्रामीण और शहरी दोनों समाज में जागरूकता फैलती है और लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनते हैं।

आज के कार्यक्रम में डॉ विनम्र शर्मा, डॉ सार्वभौम, डॉ संध्या सहित बीएएमएस विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोहः आहार प्रदर्शनी

राष्ट्रीय सेवा योजना

विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए आहार का परीक्षण करते हुए प्राध्यापकगण

दिनांक : 21 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज में संचालित गुरु गोरक्षनाथ राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के द्वारा आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में एक भव्य आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पारंपरिक भारतीय अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन तथा औषधीय पौधों से निर्मित विभिन्न आहार प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को संतुलित और सात्त्विक आहार के महत्व से परिचित कराना तथा उन्हें आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

प्रदर्शनी में आने वाले सभी आगंतुकों को आयुर्वेद आहार के पौष्टिक तत्वों, औषधीय महत्व तथा रोग निवारक गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रत्येक स्टॉल पर विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों द्वारा आहार की विशेषताओं को सरल एवं वैज्ञानिक भाषा में समझाया गया।

जिससे लोगों को यह जानने में रुचि जागृत हुई कि किस प्रकार पारंपरिक आहार आज भी आधुनिक जीवनशैली में उपयोगी और स्वास्थ्यप्रद सिद्ध हो सकते हैं।

कार्यक्रम में के बी.ए.एम.एस. विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। स्वयंसेवकों द्वारा सजाए गए आकर्षक स्टॉल और प्रस्तुत किए गए व्यंजन समाज को यह संदेश देते रहे कि संतुलित और सात्त्विक भोजन अपनाना ही दीर्घायु और रोगमुक्त जीवन का मूलमंत्र है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि "आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवनशैली का विज्ञान है। स्वस्थ जीवन की नींव संतुलित आहार पर टिकी होती है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को आयुर्वेद आहार की महत्ता से जोड़ना है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज को भी स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करते हैं।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे आयुर्वेद के सिद्धांतों को व्यवहारिक जीवन में उतारकर समाज को एक सकारात्मक दिशा दे सकते हैं।

प्रदर्शनी में डॉ. शांति भूषण, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना), डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अभिजीत सहित सभी प्राध्यापकगण,

चिकित्सक, बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर पूरे दिन उत्साह और रचनात्मकता का वातावरण व्याप्त रहा।

लोगों ने आयुर्वेद आहार को निकट से जानने–समझने का अवसर प्राप्त किया और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखते हुए उनके औषधीय महत्व को अनुभव किया।

प्रदर्शनी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि आयुर्वेद आहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि आज भी स्वास्थ्य और रोग–निवारण का आधार है। अंततः यह आहार प्रदर्शनी आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हुई, जिसने न केवल विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को व्यावहारिक ज्ञान दिया बल्कि समाज में संतुलित और सात्विक आहार अपनाने की प्रेरणा भी प्रदान की।

शिवाजी इकाई नमो मैराथन दौड़

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक : 21 सितम्बर, 2025। क्षेत्रीय खेल कार्यालय, क्षेत्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गोरखपुर के तत्वावधान में नमो मैराथन दौड़ का सफल आयोजन किया गया। यह मैराथन दौड़ पैडलगंज चौराहे से नौकायान चौराहे तक आयोजित की गई।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं संगठनों के छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी की। इस आयोजन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक अविनाश पांडेय, अभिषेक पासवान एवं तन्मय ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

इन स्वयंसेवकों ने दौड़ के माध्यम से फिट इंडिया, स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छ भारत के संदेश को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय प्रयास किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें समाजसेवा एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, चिकित्सा विज्ञान संकाय के डीन डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति ने भी इस सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की और स्वयंसेवकों को समाजहित में निरंतर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

चिकित्सा विज्ञान में संचालित शिवाजी इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना इस सहभागिता को अपने लिए गौरव का विषय मानती है तथा आगे भी इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैराथन दौड़ के दौरान स्वयंसेवक

स्थापना दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला निर्माण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 24 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आज राष्ट्रीय सेवा योजना के 57वें स्थापना दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मिलकर मानव श्रृंखला निर्माण कर संगठन और एकता का प्रतिमान दियाद्य स्थापना दिवस समारोह श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गार्गी इकाई की स्वयंसेविका प्राची और काजल द्वारा राष्ट्रगान के साथ किया गया, जिसके उपरांत मैत्रेयी इकाई की स्वयंसेविका समीक्षा और उनके समूह द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्यगीत प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों और छात्रों को भावविभोर कर दिया। इसके अगले चरण में आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका अंतिमा श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य और महत्व पर संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को समाज की सेवा निस्वार्थ भाव से करने के लिए प्रेरित करता है एवं उनके व्यक्तित्व और चरित्र के विकास में सहायक है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास को बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितम्बर 1969 को तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. वी. के. आर. वी. राव द्वारा 37 विश्वविद्यालयों में 40,000 छात्रों के लिए की गई थी।

उन्होंने यह भी बताया कि महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर शुरू किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है इसका आदर्श वाक्य "स्वयं से पहले आप" युवाओं को समुदाय के प्रति निस्वार्थ सेवा का संदेश देता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, प्राचार्य, श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज सेवा में नेतृत्व की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान परिसर में मानव श्रृंखला बनाई गई

और सभी स्वयंसेवकों से राष्ट्रीय सेवा योजना और सामाजिक दायित्यो के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया।

इस दौरान छात्रों ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतिभाग कराया गया कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" के साथ हुआ।

यह आयोजन न केवल युवाओं में समाज सेवा के प्रति जागरूकता और सक्रियता बढ़ाने वाला रहा, बल्कि उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और सामुदायिक सहयोग की भावना विकसित करने की प्रेरणा देने वाला भी सिद्ध हुआ। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ.चन्द्रशेखर मूर्ति कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, श्री अनिल कुमार पटेल, सुश्री कविता साहनी, सुश्री सुमन यादव, सुश्री गरिमा पाण्डेय, श्री धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, डॉ.रवि झा, अनिकेत मल, मान

त्रिपाठी ,विजय चौधरी के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक के साथ शिक्षकगण उपस्थित रहे और उन्होंने पूरे कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का संचालन खुशी उपाध्याय ने किया।

व्याख्यान : स्वच्छता पखवाड़ा

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करतीं डॉ. शालिनी मान

दिनांक : 25 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा "स्वच्छता पखवाड़ा" के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपेक्षा की स्थिति में इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस मुहिम में अग्रणी भूमिका निभाएँ।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील सिंह तथा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान एक दिन, एक घंटा एवं एक साथ कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता अभियान

दिनांक : 25 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की सभी इकाइयों द्वारा आज प्रातः 9:00 बजे से 10:00 बजे तक "राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम" के अंतर्गत "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को स्वच्छता के महत्व से जोड़ना और सामूहिक प्रयास के माध्यम से स्वच्छ परिसर एवं स्वस्थ समाज की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कॉलेज भवन के आस–पास श्रमदान किया।

आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली।

माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कॉलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस–पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवैद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं ऑडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाई, कचरा उठाया, प्लास्टिक एवं अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया तथा स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया। सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे केवल विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं, बल्कि अपने घर, मोहल्ले और गाँवों में भी स्वच्छता की अलख जगाएँगे।

स्वच्छता अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव ने किया। उनके साथ डॉ. आयुष पाठक, श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, श्री अनिल कुमार पटेल, सुश्री कविता साहनी, सुश्री गरिमा पाण्डेय, श्री धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर. एवं डॉ. वैशाख आर. ने सक्रिय भूमिका निभाई।

इन सभी के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे परिसर को स्वच्छ बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम की सफलता ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी या संस्थागत अभियान नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

सामूहिक प्रयास और श्रमदान की भावना से ही स्वच्छ भारत और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे स्वच्छता आंदोलन को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है।

सेवा पखवाड़ा 2025 : चित्रकला प्रतियोगिता

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 25 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा "सेवा पखवाड़ा–2025" के अंतर्गत "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। प्रतियोगिता का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल पटेल के नेतृत्व में हुआ।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुश्री सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मधुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निर्णायकों ने कहा कि विद्यार्थियों के चित्र न केवल उनकी कला को दर्शाते हैं, बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भी परिचय कराते हैं। कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल पटेल ने विजेताओं को बधाई

देते हुए कहा कि चयनित प्रतिभागियों को जनपदीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहाँ क्रमशः 51,000/–, 21,000/– और 11,000/– की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

विशेष अतिथि व्याख्यान

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करतीं डॉ. शालिनी मान

दिनांक : 26 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 5.0 के अंतर्गत एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह व्याख्यान जैव–चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन, बेसिक हाइजीन एवं महिला सशक्तीकरण विषय पर केंद्रित रहा। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित डॉ. शालिनी मान (एम.डी. माइक्रोबायोलॉजी) ने विद्यार्थियों को जैव–चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक समय में बढ़ते अस्पतालों, प्रयोगशालाओं और स्वास्थ्य संस्थानों से उत्पन्न होने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का उचित प्रबंधन आवश्यक है, अन्यथा यह न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है, बल्कि पर्यावरण के संतुलन पर भी विपरीत प्रभाव डाल सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को कचरे के पृथक्करण, सुरक्षित निस्तारण और रिसाइक्लिंग की वैज्ञानिक प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्वच्छता ही सेवा को केवल एक सरकारी अभियान न मानते हुए जीवन जीने की एक सकारात्मक आदत के रूप में अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी और नागरिक को अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, डॉ. मान ने महिला सशक्तीकरण पर भी विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी समाज के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय है और स्वास्थ्य व स्वच्छता की दिशा में उनकी भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है। यदि महिलाओं को शिक्षा, अवसर और नेतृत्व प्रदान किया जाए तो वे स्वच्छ, सशक्त और आत्मनिर्भर समाज की नींव रख सकती हैं।

उन्होंने छात्र–छात्राओं से आह्वान किया कि वे लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करें और महिला शक्ति को समाज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर फार्मेसी संकाय के सहायक अध्यापक श्री पियुष आनंद भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। संचालन बी.फार्म तृतीय वर्ष की छात्रा पल्लवी गुप्ता ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्रुति सोनकर द्वारा दिया गया।

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में न केवल स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं बल्कि उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और महिला सशक्तीकरण के महत्व को समझने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

जनपद स्तरीय : चित्रकला प्रतियोगिता

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 30 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में सेवा पखवाड़ा – 2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्वयंसेविकाओं ने जनपद स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में आत्रेय इकाई की स्वयंसेविका खुशी उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

वहीं शिवाजी इकाई की स्वयंसेविकाएँ मधुमाला एवं अन्विषा ने द्वितीय स्थान अर्जित किया था। इसी क्रम में आज दिनांक 30 सितम्बर 2025 को इन चयनित स्वयंसेविकाओं ने सरस्वती विद्या मंदिर, गोरखपुर में आयोजित जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उनकी प्रस्तुतियाँ केवल चित्र तक सीमित न रहकर समाज में स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र सेवा जैसे मूल्यों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को भी अभिव्यक्त कर रही थीं। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के संदेश को भी रेखांकित किया गया। स्वयंसेविकाओं से आह्वान किया गया कि वे शिक्षा, स्वावलंबन और रचनात्मकता के माध्यम से समाज में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत करें। कहा गया कि एनएसएस की स्वयंसेविकाएँ ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। प्रतिभाग के दौरान शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी भी साथ उपस्थित रहे और उन्होंने स्वयंसेविकाओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में कला, रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करती हैं।

शैक्षणिक भ्रमण

राष्ट्रीय सेवा योजना

जल शुद्धिकरण एवं जल जनित रोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 30 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की छात्राओं ने आज मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण गतिविधि में सहभागिता की।

इस अभियान के दौरान छात्राओं ने जल निगम गोरखपुर के अधिकारियों से जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्राओं को बताया कि पानी में उपस्थित अदृश्य जीवाणु, वायरस एवं अन्य सूक्ष्मजीव किस प्रकार मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि दूषित जल के सेवन से हैजा, टाइफाइड, पीलिया तथा पेचिश जैसी संक्रामक बीमारियाँ फैल सकती हैं।

इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की जल शुद्धिकरण तकनीकों, जैसेकृउबालना, क्लोरीनेशन एवं आधुनिक फिल्टर प्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। छात्राओं ने यह भी जाना कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करना प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य अधिकार है।

विशेषज्ञों ने बताया कि सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए जागरूकता एवं सहयोग अनिवार्य है। छात्राओं ने जल की गुणवत्ता जाँचने की प्रक्रिया और उससे संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं पर भी जानकारी प्राप्त की।

यह कार्यक्रम मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

सुश्री यादव ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल महिला सशक्तिकरण ही नहीं, बल्कि छात्राओं को समाजोपयोगी ज्ञान से सशक्त बनाना भी है। जल संरक्षण एवं शुद्धिकरण से संबंधित यह जानकारी छात्राओं को न केवल अपने परिवार बल्कि समाज में भी जनजागरूकता फैलाने में मदद करेगी। इस अभियान के माध्यम से छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे गाँव–गाँव और मोहल्लों में जाकर लोगों को स्वच्छ जल के महत्व और जलजनित रोगों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करेंगी।

जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

महिला सशक्तिकरण पर जागरूक करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 30 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुइया इकाई के स्वयंसेविकाओं द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बालापार गाँव में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, दहेज प्रथा और कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर सामाजिक विषयों पर पोस्टर प्रस्तुति एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। स्वयंसेविकाओं ने अपने पोस्टरों और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया कि दहेज प्रथा न केवल परिवारों पर आर्थिक बोझ डालती है, बल्कि यह महिलाओं के

सम्मान और आत्मनिर्भरता में सबसे बड़ी बाधा है। दहेज के कारण अनेक परिवार कर्ज में डूब जाते हैं और कई बार बाल विवाह तथा घरेलू हिंसा जैसी समस्याएँ भी जन्म लेती हैं। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि कन्या कोई बोझ नहीं, बल्कि परिवार और समाज की शक्ति है। इसी प्रकार कन्या भ्रूण हत्या की समस्या को भी प्रस्तुत किया गया। स्वयंसेविकाओं ने बताया कि लिंगानुपात में असंतुलन, महिला उत्पीड़न और सामाजिक असमानता का एक बड़ा कारण भ्रूण हत्या है। उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान किया कि बेटियों को जन्म लेने और आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि समाज में बेटियों को समान शिक्षा, पोषण और अवसर दिए जाएँ, तो वे न केवल परिवार बल्कि राष्ट्र को भी सशक्त बनाएँगी। महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेविकाओं ने समझाया कि शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला पूरे परिवार को सशक्त बनाती है। "स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की नींव है।" महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार कर सकती है। यह जागरूकता कार्यक्रम माता अनुसुइया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी एवं मिशन शक्ति 5.0 की विश्वविद्यालय स्तर की नोडल अधिकारी सुश्री सुमन यादव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि "बेटियाँ बोझ नहीं, वे समाज की असली शक्ति हैं। हर परिवार को उन्हें शिक्षा और समान अवसर देने का संकल्प लेना चाहिए।" कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान ने स्वयंसेविकाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में गहरी सोच और बदलाव लाने में सहायक होते हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि गाँव में महिला शिक्षा, कन्या सुरक्षा और दहेज उन्मूलन के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

ग्रामवासियों ने भी यह संकल्प लिया कि वे दहेज प्रथा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों का समर्थन नहीं करेंगे तथा बेटियों को शिक्षा और सम्मान दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। इस प्रकार यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

इंटर ग्रुप आइडिया एंड इनोवेशन प्रतियोगिता

इंटर ग्रुप आइडिया एंड इनोवेशन प्रतियोगिता के दौरान पुरस्कार प्राप्त करते कैडेट्स

दिनांक : 02 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स इंटर ग्रुप आइडिया एंड इनोवेशन प्रतियोगिता कानपुर में गोरखपुर मुख्यालय का नेतृत्व करते हुए सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने एक बार फिर अपने नवाचार और नेतृत्व का परचम लहराया है। 102 यूपी बटालियन के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने आइडिया इनोवेशन 2025 प्रतियोगिता में अपने 'विंड टरबाइन इनोवेशन प्रोजेक्ट' के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न सिर्फ विश्वविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

विंड टरबाइन इनोवेशन प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में प्रस्तुत उनके प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लिए विंड टरबाइन तकनीक का प्रभावी उपयोग करना था। यह परियोजना सिर्फ एक तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि स्थानीय उत्पादन, ग्रामीण विकास, और पर्यावरणीय जागरूकता का एक समग्र मॉडल है। छोटे और मध्यम आकार के विंड टरबाइन मॉडल्स का विकास स्थानीय संसाधनों से निर्माण की योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की संभावनाएं के उद्देश्यों के लिए था ।

लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले वर्ष भी 102 यू पी बटालियन ने आइडिया इनोवेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था और यूपी डायरेक्ट की ट्रॉफी सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जयसवाल और कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी ने हासिल करके गौरांवित किया था। इस बार भी इन्हें यह सौभाग्य मिला है।

सागर जयसवाल ने प्रोजेक्ट बनाया और इसे पहले विश्वविद्यालय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। पूरे विश्वविद्यालय में इन्हें उच्च स्थान हासिल हुआ और फिर इनका चयन बटालियन स्तर के लिए हुआ। बटालियन स्तर पर चयनित होने के बाद, गोरखपुर मुख्यालय के ब्रिगेडियर परिमल भारती जी ने इनके प्रोजेक्ट का अवलोकन कर सराहना किया। गोरखपुर मुख्यालय में चयनित होने के बाद, इन्हें आर्मी हेडक्वार्टर कानपुर में इंटर ग्रुप आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। वहाँ कुल 40 प्रोजेक्ट्स में से इनका प्रोजेक्ट शीर्ष 11 में स्थान बनाने में सफल रहा और 4000/– का पुरस्कार प्राप्त किया। अब इनका चयन आंध्र प्रदेश (विजयवाड़ा) के लिए हुआ है, जहाँ ये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

आंध्र प्रदेश में होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए इन्हें अपनी तैयारी को और भी मजबूत करना होगा। हमें विश्वास है कि ये अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से देश के लिए कुछ नया और अनोखा कर पाएंगे। प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतिभागियों के बीच प्रतिस्पर्धा के बावजूद, सागर और आशुतोष की जोड़ी ने शीर्ष 11 में स्थान बनाकर 4000/– का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। इससे भी बड़ी उपलब्धि यह रही कि उनकी टीम का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो आगामी सप्ताहों में विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित की जाएगी। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि कैडेट्स के नवाचार प्रोजेक्ट से विज्ञान और कृषि क्षेत्र में उन्नत कार्य होगा। कैडेट्स की मेहनत, सोच और तकनीकी कौशल को देखते हुए पूर्ण विश्वास है वे राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और देश के सामने एक नया उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी का यह प्रयास न केवल युवाओं को प्रेरित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि नवाचार और पर्यावरणीय सोच को साथ लाया जाए, तो स्थानीय विकास और वैश्विक बदलाव दोनों संभव हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तैयारी के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है । कैडेट्स को प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ डी एस अजीथा, डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, सहित सभी शिक्षकगण, संकाय सदस्य और एनसीसी मुख्यालय के अधिकारीगण ने इस उपलब्धि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एन.सी. सी यूनिट्स को बधाई दिया।

शिक्षक दिवस के दौरान डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं कैडेट्स

दिनांक : 05 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शिक्षक दिवस का आयोजन एनसीसी कैडेट्स द्वारा बहुत ही अनोखे और यादगार तरीके से किया गया। इस अवसर पर कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व समझते हुए पौधारोपण भेट कर उन्हें रोपित किया।

कैडेट्स ने भविष्य में इन पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। छात्रों को प्रकृति के संरक्षण और पौधों को गोद लेकर उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी की भावना के लिए प्रेरित किया गया। जिससे जन जन के सहयोग से राष्ट्रीय कैडेट कोर के एक एक कैडेट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण करने की जागरूकता बढ़ाने का संकल्प यात्रा शुरू करना है।

कैडेट्स ने अपने शिक्षक दिवस पर सम्मान के रूप में केक काटकर उन्हें पौधे भेट कर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया। लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कैडेट्स द्वारा मिले स्नेह के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि एन सी सी कैडेट्स ने शिक्षक दिवस पर प्रकृति के संरक्षण का जो संकल्प लिया है यह उनके आस्था, विश्वास और निष्ठा का प्रतीक है। जो भविष्य में प्रकृति के प्रति चिंतन है जिसे वे आज महसूस कर रहे हैं पूर्ण विश्वास है, यह संकल्प इन्हें अपने संस्कारों और जड़ों से जोड़ने की प्रेरणा देगा। किसी भी शुभकार्य, जन्मदिन, सालगिरह या मांगलिक अवसरों पर भी पौधे भेट कर जन जन को प्रकृति के संरक्षण का संकल्प दिलाए जिससे हमारी वसुंधरा हमेशा हरी भरी रहे। एनसीसी कैडेट्स की इस पहल से शिक्षक सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता प्रकट किया।

यह आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स की सक्रियता और उनकी

सामाजिक भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ये कार्यक्रम छात्रों को राष्ट्रीय सेवा के प्रति जागरूक करते हैं और उन्हें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों से परिचित कराते हैं। लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कैडेट्स को स्नेह भरा शुभाशीष दिया।

आयोजन मे प्रमुख रूप से अंडर आफिसर मोती लाल, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, श्रद्धा उपाध्याय ,आंचल पाठक, खुशी यादव , नीलेश यादव,विकास यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय , अरुण विश्वकर्मा, उजाला सिंह, अतिका तिवारी, गुड़िया कुशवाहा, चांदनी निषाद, शालिनी चौहान, अर्पिता राय, अनुराधा विश्वकर्मा, अंजली सिंह उपस्थित रहें।

आईजीसी आरडीसी : चयन प्रक्रिया

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आईजीसी आरडीसी में चयनित कैडेट्स

दिनांक : 09 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यूपी बटालियन से 6 कैडेट्स का चयन आईजीसी आरडीसी प्रथम (IGC RDC&I) शिविर के लिए किया गया।

एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गणतंत्र दिवस में राजपथ परेड के प्रथम स्क्रीनिंग चयन प्रतियोगिता में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध विद्यालयों/महाविद्यालय और विश्विद्यालय से सीनियर और जूनियर विंग्स में 230 कैडेट्स सम्मिलित हुए जिसमें कड़े चयन प्रक्रिया से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से कुल 6 कैडेट्स का चयन सैन्य अधिकारीयो के दिशा निर्देश पर पर हुआ । ए.एन.ओ लेफ्टिनेंट डॉ संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि यह चयन न केवल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है, बल्कि इन कैडेट्स के लिए भी एक सुनहरा अवसर है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर अपने व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। आर . डी.सी प्री–स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसमें कैडेट्स को गणतंत्र दिवस परेड कैंप ;त्क्ब्द्ध जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के लिए तैयार किया जाता है। प्री–स्क्रीनिंग कैंप में प्रतिभाशाली कैडेट्स को ड्रिल, क्लचर, और ब्रीफिंग के आधार पर चयन किया जाता है।सभी कैडेट्स को ग्राउंड पर शारीरिक और मानसिक कौशलों के आधार पर परखा गया। ड्रिल चयन में कैडेट्स की अनुशासन, एकरूपता और कमांड की समझ को परखा गया , मार्चिंग, सलामी, वर्दी पहनने के तरीके को भी अधिकारियों द्वारा अंक दिया गया। व्यक्तिगत साक्षात्कार और संवाद सत्र से कैडेट्स की नेतृत्व क्षमता, संवाद शैली, मानसिक स्थिति और आत्मविश्वास की परीक्षा लिया गया। सांस्कृतिक गतिविधियाँ चयन प्रक्रिया में कैडेट्स की कला, संस्कृति और मंच प्रदर्शन क्षमता का मूल्यांकन किया गया, जो राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक होता है। इस चयन प्रक्रिया में 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अभिषेक मान

सिंह, एडमिन ऑफिसर श्री मिथुन मिश्रा, जेसीओ अधिकारी, और पीआई स्टाफ की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इन्होंने निष्पक्षता और योग्यता के आधार पर कैडेट्स का चयन किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से कुल 16 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रमुख रूप से अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, कैडेट नीलेश यादव, शिखर पाण्डेय, अनुभव पाण्डेय, अरुण विश्वकर्मा, अभिषेक मिश्रा, उजाला सिंह, ममता गुप्ता, अस्मिता सिंह, अतिका तिवारी, गुड़िया कुशवाहा, वसुंधरा सिंह, हर्षव साहनी, सूरज कुमार , विकास यादव, ने प्रतिभाग किया। सभी मूल्यांकन चरणों के बाद अंतत 6 कैडेट्स (अंडर ऑफिसर सागर जयसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट नीलेश यादव, कैडेट शिखर पाण्डेय, कैडेट अनुभव पाण्डेय, कैडेट अतिका तिवारी) का चयन किया गया। प्री आर डी सी प्री स्क्रीनिंग में 6 कैडेट्स के चयन पर कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ डी एस अजीथा , अधिष्ठाता डॉ चंदशेखर मूर्ति, डॉ सुनील सिंह, विमल कुमार दुबे, डॉ शशिकांत सिंह,डॉ रोहित श्रीवास्तव ने चयनित कैडेट्स को बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर फर्स्ट एड जलवायु परिवर्तन पर व्याख्यान देते डॉ. रोहित श्रीवास्तव

दिनांक : 14 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू. पी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा फर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडीकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराए नहीं बल्कि धैर्य के त्वरित सहायता करे। डॉ रोहित कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में 'प्राथमिक उपचार' के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। आज की बदलती जलवायु और बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है। यह न केवल आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने का माध्यम है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि हम जलवायु आपदाओं का सामना संगठित रूप से कर सकें। आज के समय में जब एक ओर आधुनिक तकनीक और जीवनशैली ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और अचानक होने वाली आपदाएं मनुष्य के जीवन को खतरे में डाल रही हैं। ऐसी स्थितियों में फर्स्ट एड यानी प्राथमिक उपचार का ज्ञान अत्यंत आवश्यक हो गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़, हीटवेव,सूखा, तूफान, और जंगल में आग की घटनाएं अधिक होने लगी हैं। इन आपदाओं में लोग घायल होते हैं या बीमार पड़ते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फर्स्ट एड का ज्ञान जीवन रक्षक सिद्ध होता है। कार्यशाला में प्रवक्ता आकाश वर्मा ने प्राथमिक उपचार के समय प्रयोग की जानें वाली सावधानियां एवम् प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत करवाया।

प्रशिक्षक आकाश वर्मा ने कहा कि फर्स्ट एड का अर्थ होता है किसी घायल या बीमार व्यक्ति को तुरंत और अस्थायी उपचार प्रदान करना, जब तक कि उसे चिकित्सा सहायता प्राप्त न हो जाए। यह जीवन बचाने, दर्द

कम करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने में मदद करता है।प्राथमिक चिकित्सा हमें आपातकालीन स्थिति में सही निर्णय लेने और त्वरित प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक दबाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण और मानसिक सहनशीलता के विकास पर ध्यान देना चाहिए। श्री आकाश ने सीपीआर का डिमांस्ट्रेशन देकर व्यक्ति की जान बचाने का कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया। संयोजक लेफ्टिनेंट(डॉ.)संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करता है, और समाज में एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका को मजबूत करता है। हालांकि प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित कई चुनौतियाँ हैं, उन्हें समाधान और सुधार के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है। सही प्रशिक्षण, उपकरण, और मानसिक तैयारी के साथ, एनसीसी कैडेट आपातकालीन स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और समाज की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित कर सकते हैं। प्राथमिक चिकित्सा केवल चिकित्सा कर्मियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि हर व्यक्ति इसका थोड़ा–बहुत ज्ञान भी रखे तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

कार्यशाला का संचालन कैडेट श्रद्धा उपाध्याय ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से शिक्षक कुं अभिनव सिंह राठौड़, संदीप शर्मा, सुप्रिया गुप्ता, जयशंकर पांडे, संजीव विश्वकर्मा, अंकिता दीक्षित, अकांक्षा दीक्षित, कुलदीप यादव, विशालदीप, धीरज कुमार, सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जसवाल, अंडर ऑफिसर मोतीलाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, आशुतोष मणि त्रिपाठी ,चांदनी निषाद, खुशी यादव,आंचल पाठक, शालिनी चौहान, पूजा सिंह,श्रद्धा उपाध्याय, भानु प्रताप सिंह,आदर्श मौर्य, हर्षव साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा ,अतीका तिवारी , उजाला सिंह, अभिषेक मिश्रा, ममता गुप्ता,अर्पिता राय,गुड़िया कुशवाहा , अंजलि सिंह, पार्वती साहनी, आलोक सिंह, विकास यादव, अरविंद विश्वकर्मा, मनीष गुप्ता, रघुवीर , शिखर पांडेय और विवेकानंद यादव आदि उपस्थित रहे।

प्री आई.जी.सी रिपब्लिक डे शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्री आई.जी.सी रिपब्लिक डे शिविर के दौरान कैडेट्स

दिनांक : 16 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से 13 कैडेट्स में से 6 कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता , कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण इंटर ग्रुप शिविर में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व करेंगे।

कैडेट्स के चयन पर कुलपति (डॉ.) सुरिंदर सिंह , कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, ए.एन.ओ लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दिया।

कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण में बटालियन स्तर पर ६ कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणा दायक है। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय में एन. सी. सी निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसित है, पूर्ण विश्वास है आई जी सी शिविर में सम्मिलित सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता , अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव , अनुभव पाण्डेय और शिखर पाण्डेय अपने अथक परिश्रम और कौशल क्षमता से राजपथ पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व करेंगे।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय कैडेट्स को राष्ट्रीय शिविरों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित कर श्रेष्ठ मंच देने का प्रयास कर रहा है।

बटालियन से प्रतिभाग कर रहे 13 कैडेट्स में से 6 कैडेट का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से प्रथम चरण में चयन होना सभी के लिए प्रेरणादायक है ।इंटर ग्रुप शिविर में कैडेट्स श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय और बटालियन का नाम रोशन करेंगे।

एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट (डॉ) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की बटालियन द्वारा 37 कॉलेज के मध्य हुई कड़े चयन में ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति, और अन्य प्रतियोगिताओं से सीनियर और जूनियर विंग्स से 19 कैडेट्स का चयन हुआ जिसमें से उपस्थित 13 कैडेट्स को शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला है। चयनित कैडेट्स 16 सितंबर से 25 सितंबर 2025 तक 48 बटालियन द्वारा गोंडा में आयोजित आई .जी. सी (आरडीसी) शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

कैडेट्स के चयन पर प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव,प्राचार्या डॉ. डी.एस .अजीथा, अधिष्ठाता डॉ चंदशेखर मूर्ति बी.बी, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव उप कुलसचिव श्रीकांत जी, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, पी आई स्टाफ पिंटू सिंह सहित सभी शिक्षकगण ने कैडेट्स को बधाई और शुभकामनाएं दिया।

नमो मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के दौरान कैडेट्स

दिनांक : 21 सितम्बर, 2025। क्षेत्रीय खेल कार्यालय, क्षेत्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गोरखपुर के तत्वावधान में आयोजित नमो मैराथन दौड़ में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मैराथन दौड़ पैडलेगंज चौराहे से नौकायान चौराहे तक आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों और संगठनों के छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत 102 यूपी बटालियन एनसीसी के 10 कैडेट्स ने इस मैराथन दौड़ में प्रतिभाग किया विश्विद्यालय का प्रतिनिधत्व किया । कैडेट अरुण विश्वकर्मा और सूरज कुमार ने हजारों की भीड़ में शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाकर मैराथन में एक अलग पहचान बनाया।इन कैडेट्स ने दौड़ के माध्यम से फिट इंडिया, स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छ भारत के संदेश को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय प्रयास किया।

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें समाजहित में निरंतर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स के लिए गौरव का विषय है।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी के दिशा निर्देशन में आगे भी इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनसीसी कैडेट्स ने इस मैराथन दौड़ में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके दिखाया कि वे समाज के लिए कुछ करने के लिए हमेशा तैयार हैं।कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स पर गर्व है जो अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है।

मैराथन में प्रमुख रूप से अरुण विश्वकर्मा, सूरज कुमार, आलोक दीक्षित, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष मणि त्रिपाठी, विकास यादव ने मैराथन में सम्मिलित हुए। मैराथन में सम्मिलित सभी कैडेट्स को कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ डी एस अजीथा, डॉ गिरिधर वेदांतम, अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव ने बधाई दिया।

विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश : कार्यशाला

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश कार्यशाला के दौरान सम्बोधित करते माननीय मुख्यमंत्री

दिनांक : 21 सितम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश विजन–2047' पर आयोजित कार्यशाला में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने विकसित भारत के स्वप्न ,और भविष्य की योजनाओं से अखंड भारत का संकल्प सभी से साझा कर नई ऊर्जा प्रेरणा दिया। कार्यशाला में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर की यूनिट्स ने विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और गार्ड ऑफ ऑनर सम्मान के दायित्व को पूर्ण किया। एनसीसी कैडेट्स ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी महाराज को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। एनसीसी कैडेट्स ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पूर्ण गरिमा और सैन्य परंपरा के अनुसार गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने एनसीसी कैडेट्स की प्रशंसा करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लिए एन . सी. सी एक प्रेरणात्मक उपलब्धि है। यह स्पष्ट संकेत है कि यदि युवा वर्ग को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और उद्देश्य मिले, तो वे किसी भी राष्ट्र निर्माण योजना में नेतृत्व कर सकते हैं। कार्यशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश सरकार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में नौ साल में प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में तिगुनी वृद्धि हुई है। हर सेक्टर में विकास देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की पूर्व और वर्तमान दशा का विस्तार से उल्लेख किया और भविष्य के लिए सबके सामने एक रोडमैप रखा। उन्होंने कहा कि सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' पर काम कर रही है। विकसित भारत के लिए देश के हृदयस्थल उत्तर प्रदेश को विकसित करना होगा। कार्यशाला में राष्ट्रीय कैडेट कोर की कार्यशैली , अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा को कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह जी ने कैडेट्स के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा की राष्ट्रीय कैडेट कोर विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा दे रहा है। कुलसचिव डॉ प्रदीप राव ने कहा कि यह क्षण इतिहास में दर्ज होगा। हमारे कैडेट्स ने जिस निष्ठा और गर्व के साथ गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया, उसने हमारी संस्था को गौरवान्वित किया है। एनसीसी कैडेट्स ने जिस अनुशासन और शिष्टाचार के साथ गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया, वह अत्यंत प्रेरणादायक है।एनसीसी कैडेट्स न केवल शिक्षा में आगे हैं, बल्कि वे मानसिक, शारीरिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी अनुकरणीय योगदान दे रहे हैं। एसोशिएट एन.सी.सी आफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स ने सैन्य परम्परा के तहत मुख्यमंत्री जी को गार्ड ऑफ ऑनर देकर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है । यह परंपरा विश्वविद्यालय की सैन्य प्रशिक्षण नीतियों, अनुशासन और राष्ट्रीय कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यशाला में सम्मिलित सभी गणमान्य व्यक्तियों , प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों ने कैडेट्स के कार्यों की सराहना किया ।

गार्ड ऑफ ऑनर में प्रमुख रूप से अंडर ऑफिसर मोतीलाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कॉरपोरल हरयश्व साहनी ,आशुतोष मणि त्रिपाठी, विकास यादव, अरविंद विश्वकर्मा, अरुण सूरज, आलोक दीक्षित, अनुराधा, काजल, अर्पिता राय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, ममता गुप्ता, गुड़िया कुशवाहा, अंजलि सिंह , भानु प्रताप, आदर्श मौर्य, सागर यादव, अस्मिता सिंह, शालिनी चौहान, चांदनी निषाद, संजना शर्मा, प्रीति शर्मा, आदित्य पाण्डेय, रुद्र प्रताप सिंह, आदित्य सिंह, आलोक सिंह, अभिषेक मिश्रा, रघुवीर प्रताप सिंह, ज्ञानेश्वर,विवेकानंद, दीपक यादव, विपिन कन्नौजिया, मनीष गुप्ता, आकांक्षा यादव और जागृति प्रजापति ने कार्यशाला में सहयोग किया।

समाचार पत्रों में सेवापथ

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी : डॉ. रोहित श्रीवास्तव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा ह्रफर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराएं नहीं बल्कि धैर्य के त्वरित सहायता करें। डॉ. रोहित ने प्राथमिक उपचार के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आज की बदलती जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है। यह न केवल आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने का माध्यम है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि हम जलवायु आपदाओं का सामना संगठित रूप से कर सकें।

कार्यशाला में प्रवक्ता आकाश वर्मा ने प्राथमिक उपचार के समय बरती जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने सीपीआर का डिमांस्ट्रेशन देकर व्यक्ति की जान बचाने का कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यशाला का संचालन श्रद्धा उपाध्याय ने किया।

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी : डॉ. रोहित श्रीवास्तव

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर एमजीयूजी में कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर, 14 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा ह्रफर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तनह्र पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराएं नहीं बल्कि धैर्य के त्वरित सहायता करें। डॉ. रोहित ने प्राथमिक उपचार के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आज की बदलती जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है। यह न केवल आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने का माध्यम है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि हम जलवायु आपदाओं का सामना संगठित रूप से कर सकें। कार्यशाला में प्रवक्ता आकाश वर्मा ने प्राथमिक उपचार के समय बरती जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने सीपीआर का डिमांस्ट्रेशन देकर व्यक्ति की जान बचाने का कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यशाला का संचालन श्रद्धा उपाध्याय ने किया।

गोरखपुर @ चेतना

आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक है फर्स्ट एड : डॉ. रोहित

- एमजीयूजी में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर कार्यशाला आयोजित
- प्रवक्ता आकाश वर्मा ने सीपीआर का डिमॉन्स्ट्रेशन कर कराया प्रशिक्षण

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर 102 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से ह्रफर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तनह्र विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने की। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा मरीज के लिए संजीवनी का काम करती है। किसी भी दुर्घटना में घबराने की बजाय धैर्य और सही जानकारी के साथ तत्काल सहायता करना ही जीवन बचाने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि आज की बदलती जलवायु और बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। यह न केवल आपात स्थिति में मददगार होता है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी परिचायक है। डॉ. श्रीवास्तव ने स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाने पर जोर दिया।

प्रवक्ता आकाश वर्मा ने प्राथमिक उपचार की सावधानियों और तरीकों पर प्रकाश डालते हुए कैडेट्स को सीपीआर का प्रदर्शन कराया और जीवन रक्षा की तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा एनसीसी कैडेटों की प्रशिक्षण प्रक्रिया का अहम हिस्सा है और यह उन्हें आपात परिस्थितियों में अधिक सक्षम बनाती है। कार्यशाला का संचालन श्रद्धा उपाध्याय ने किया।

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी जरूरी

एमजीयूजी

- विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर एनसीसी की ओर से कार्यशाला आयोजित
- एमजीयूजी में 'फर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तन' विषय पर बोले विशेषज्ञ

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा फर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराएं नहीं बल्कि धैर्य के त्वरित सहायता करें।

डॉ. रोहित ने प्राथमिक उपचार के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा की। कहा कि जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक आपदा

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी देते शिक्षक

का खतरा बढ़ गया है। बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है।

स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि हम जलवायु आपदाओं का सामना संगठित रूप से कर सकें।

प्रवक्ता आकाश वर्मा ने सीपीआर का डिमांस्ट्रेशन देकर व्यक्ति की जान बचाने का कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव रहे। कार्यशाला का संचालन श्रद्धा उपाध्याय ने किया।

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी : डॉ. रोहित श्रीवास्तव'

'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर एमजीयूजी में कार्यशाला का आयोजन'

संवाददाता

'गोरखपुर।' महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा 'फर्स्ट एड और जलवायु परिवर्तन' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराएं नहीं बल्कि धैर्य के त्वरित सहायता करें। डॉ. रोहित ने प्राथमिक उपचार के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि आज की बदलती जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आपदाओं के बीच फर्स्ट एड का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है। यह न केवल आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने का माध्यम है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि हम जलवायु आपदाओं का सामना संगठित रूप से कर सकें।

कार्यशाला में प्रवक्ता आकाश वर्मा ने प्राथमिक उपचार के समय बरती जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने सीपीआर का डिमांस्ट्रेशन देकर व्यक्ति की जान बचाने का कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यशाला का संचालन श्रद्धा उपाध्याय ने किया।

एमजीयूजी के छः कैडेट्स प्रीआईजीसी में करेंगे प्रतिभाग

»कुलपति, कुलसचिव व एनसीसी अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के छह एनसीसी कैडेट्स रिपब्लिक डे कैम्प के लिए आयोजित प्री आईजीसी (इंटर ग्रुप कैम्प) में प्रतिभाग करेंगे। विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन से कुल 13 कैडेट्स का चयन हुआ है, जिनमें एमजीयूजी के छह कैडेट्स शामिल हैं। इनमें सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय और शिखर पाण्डेय का नाम प्रमुख है।

कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि एमजीयूजी के छात्र अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर राष्ट्रीय स्तर की तैयारियों में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय और क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा और एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भी चयनित कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कैडेट्स आगामी चरणों में भी अपनी उत्कृष्टता से विश्वविद्यालय और गोरखपुर का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. चंदशेखर मूर्ति, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, उप कुलसचिव श्रीकांत, जेसीओ सूबेदार धरेश माने और पिंटू सिंह समेत कई शिक्षकों और अधिकारियों ने भी कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं।

एमजीयूजी के छह एनसीसी कैडेट्स प्री आईजीसी में करेंगे प्रतिभाग

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के छह कैडेट्स

रिपब्लिक डे कैम्प के प्री आईजीसी (इंटर ग्रुप कैम्प) में प्रतिभाग करेंगे। बटालियन से कुल 13 कैडेट्स का चयन हुआ है जिसमें एमजीयूजी के छह कैडेट्स (सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय) शामिल हैं। इन कैडेट्स के चयन पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति व कुलसचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एमजीयूजी के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तपकर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण में बटालियन स्तर पर छह कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणादायक है। चयनित कैडेट्स को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. चंदशेखर मूर्ति, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, उप कुलसचिव श्रीकांत, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, पिंटू सिंह आदि ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के छह एनसीसी कैडेट्स प्री आईजीसी में करेंगे प्रतिभाग

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 16 सितंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के छह कैडेट्स रिपब्लिक डे कैम्प के प्री आईजीसी (इंटर ग्रुप कैम्प) में प्रतिभाग करेंगे। बटालियन से कुल 13 कैडेट्स का चयन हुआ है जिसमें एमजीयूजी के छह कैडेट्स (सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय) शामिल हैं।

इन कैडेट्स के चयन पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति व कुलसचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एमजीयूजी के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तपकर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण में बटालियन स्तर पर छह कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणादायक है।

चयनित कैडेट्स को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. चंदशेखर मूर्ति, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, उप कुलसचिव श्रीकांत, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, पिंटू सिंह आदि ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के छह एनसीसी कैडेट्स प्री आईजीसी में करेंगे प्रतिभाग

संवाददाता

'गोरखपुर।' महायोगी

गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के छह कैडेट्स रिपब्लिक डे कैम्प के प्री आईजीसी (इंटर ग्रुप कैम्प) में प्रतिभाग करेंगे। बटालियन से कुल 13 कैडेट्स का चयन हुआ है जिसमें एमजीयूजी के छह कैडेट्स (सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय) शामिल हैं।

इन कैडेट्स के चयन पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति व कुलसचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एमजीयूजी के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तपकर कडे अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं।

रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण मे बटालियन स्तर पर छह कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणादायक है। चयनित कैडेट्स को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. चंदशेखर मूर्ति, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, उप कुलसचिव श्रीकांत, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, पिंटू सिंह आदि ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

एमजीयूजी के छह एनसीसी कैडेट्स प्री आईजीसी में करेंगे प्रतिभाग

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के छह कैडेट्स रिपब्लिक डे कैम्प के प्री आईजीसी

(इंटर ग्रुप कैम्प) में प्रतिभाग करेंगे। बटालियन से कुल 13 कैडेट्स का चयन हुआ है जिसमें एमजीयूजी के छह कैडेट्स (सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट अतिका तिवारी, नीलेश कुमार यादव, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय) शामिल हैं। इन कैडेट्स के चयन पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति व कुलसचिव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एमजीयूजी के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तपकर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण में बटालियन स्तर पर छह कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणादायक है। चयनित कैडेट्स को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. चंदशेखर मूर्ति, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, उप कुलसचिव श्रीकांत, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, पिंटू सिंह आदि ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

समाचार पत्रों में सेवापथ

A rally was organized to raise awareness about Ayurveda

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: As part of the Ayurveda Week Celebration 2025, an awareness rally was taken out on Saturday by the Guru Shri Gorakhnath Institute of Medical Sciences (Ayurveda College) of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur (MGUG). The rally began at the university campus and ended at Sonbarsa village.

Rally was organized with the support of the Ashtavakra unit of the NSS, the Ayurveda College Principal, Acharyas, doctors, BAMS students, and NSS volunteers carried posters and banners promoting the importance of Ayurveda, immunity, a healthy lifestyle, and the adoption of natural healing methods. Participants in the rally encouraged local residents to embrace Ayurveda. A selfie point was also arranged as a special attraction. Speaking on the occasion, Dr. Giridhar Vedantam, Principal of the Ayurveda College, stated that Ayurveda is India's oldest medical system, which not only treats diseases but also provides guidance for living a healthy and balanced life.

National Service Scheme Program Officer Acharya Sadhvi Nandan Pandey said that such rallies inspire society to adopt a more nature-friendly lifestyle. Present on this occasion were Program Coordinator Dr. Shanti Bhushan, Dr. Vinamra Sharma, Dr. Sarvabhaum, Dr. Sandhya, along with BAMS students and volunteers.

रैली निकालकर आयुर्वेद के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

आयुर्वेद सप्ताह समारोह के तहत एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज ने किया आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 20 सितंबर। आयुर्वेद सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर से ग्राम सोनबरसा तक रैली निकाली गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के सहयोग से निकाली गई रैली में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, आचार्यगण, चिकित्सकगण, बीएएमएस विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर आयुर्वेद की महत्ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया। रैली के मार्ग में स्थानीय लोगों को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और जन-जागरूकता के नारे लगाए गए। विशेष आकर्षण के रूप में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने इस कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जो न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती है। जन जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की रैलियाँ समाज को प्रकृति-सम्मत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करती हैं और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनती हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. संध्या सहित बीएएमएस के विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रैली निकालकर आयुर्वेद के प्रति लोगों को किया जागरूक

आयुर्वेद सप्ताह समारोह के तहत एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज ने किया आयोजन

गोरखपुर (सी०मै०सं०)। आयुर्वेद सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर से ग्राम सोनबरसा तक रैली निकाली गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के सहयोग से निकाली गई रैली में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, आचार्यगण, चिकित्सकगण, बीएएमएस विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर आयुर्वेद की महत्ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया। रैली के मार्ग में स्थानीय लोगों को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और जन-जागरूकता के नारे लगाए गए। विशेष आकर्षण के रूप में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने इस कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जो न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती है। जन जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की रैलियाँ समाज को प्रकृति-सम्मत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करती है और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनती है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. शांति भूषण, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. संध्या सहित बीएएमएस के विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रैली निकालकर लोगों को आयुर्वेद के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर(एसएनबी)। आयुर्वेद सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर से ग्राम सोनबरसा तक रैली निकाली गई।

- एमजीयूजी में आयुर्वेद सप्ताह समारोह
- रैली के मार्ग में लोगों को आयुर्वेद अपनाने को किया प्रेरित
- प्राचार्य सहित शिक्षक, चिकित्सक और एनएनएस स्वयंसेवक रहे शामिल

एमजीयूजी में निकाली गयी आयुर्वेद जागरूकता रैली। फोटो : एसएनबी

राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के सहयोग से निकाली गई रैली में आयुर्वेद कलेज के प्राचार्य, आचार्यगण, चिकित्सकगण, बीएएमएस विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर आयुर्वेद की महत्ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया। रैली के मार्ग में स्थानीय लोगों को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और जन-जागरूकता के नारे लगाए गए। विशेष आकर्षण के रूप में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जो न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती है। जन जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की रैलियां समाज के प्रति-सम्मत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करती हैं और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनती हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डा. शांति भूषण, डा. विनम्र शर्मा, डा. सार्वभौम, डा. संध्या सहित बीएएमएस के विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नर्सिंग छात्राओं ने क्षयरोग से बचाव के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया गया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

समाचार पत्रों में सेवापथ

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह अंतर्गत आहार प्रदर्शनी का आयोजन

संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 21 सितंबर। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में आयुर्वेद सिद्धांतों पर आधारित पारंपरिक अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन और औषधीय पौधों से बने आहार को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों को इन आहारों के पौष्टिक तत्वों, औषधीय महत्व और रोग-निवारक गुणों की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उनके द्वारा सजाए गए स्टॉल और प्रस्तुत आहार संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश देते रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। स्वस्थ जीवन का आधार संतुलित आहार है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को आयुर्वेद आहार की महत्ता से जोड़ना है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अभिजीत सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह अंतर्गत आहार प्रदर्शनी का आयोजन

गोरखपुर।आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह 2025 के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में आज आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में आयुर्वेद सिद्धांतों पर आधारित पारंपरिक अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन एवं औषधीय पौधों से बने आहार को प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों को इन आहारो के पौष्टिक तत्वो, औषधीय महत्व एवं रोग–निवारक गुणों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई एवं भारद्वाज इकाई के बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी एवं स्वयंसेवको ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उनके द्वारा सजाए गए स्टॉल और प्रस्तुत आहार समाज में संतुलित एवं सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का सशक्त संदेश देते रहे।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने कहा आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। स्वस्थ जीवन का आहार संतुलित आहार है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं एवं समाज को आयुर्वेद आहार की महत्ता से जोड़ना है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अभिजीत सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रैली निकालकर लोगों को आयुर्वेद के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर(एसएनबी)। आयुर्वेद सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर से ग्राम सोनबरसा तक रैली निकाली गई।

- एमजीयूजी में आयुर्वेद सप्ताह समारोह
- रैली के मार्ग में लोगों को आयुर्वेद अपनाने को किया प्रेरित
- प्राचार्य सहित शिक्षक, चिकित्सक और एनएनएस स्वयंसेवक रहे शामिल

एमजीयूजी में निकाली गयी आयुर्वेद जागरूकता रैली। फोटो : एसएनबी

राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई के सहयोग से निकाली गई रैली में आयुर्वेद कलेज के प्राचार्य, आचार्यगण, चिकित्सकगण, बीएएमएस विद्यार्थी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने हाथों में पोस्टर एवं बैनर लेकर आयुर्वेद की महत्ता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया। रैली के मार्ग में स्थानीय लोगों को आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और जन-जागरूकता के नारे लगाए गए। विशेष आकर्षण के रूप में सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जो न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती है। जन जागरूकता ही इसके प्रसार का सबसे प्रभावी साधन है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि कहा कि इस प्रकार की रैलियां समाज के प्रति-सम्मत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करती हैं और युवा पीढ़ी को भारतीय परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनती हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डा. शांति भूषण, डा. विनम्र शर्मा, डा. सार्वभौम, डा. संध्या सहित बीएएमएस के विद्यार्थी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी में दिखी पारंपरिक व्यंजनों व औषधीय आहार की झलक

»बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और स्वयंसेवकों ने की सक्रिय भागीदारी

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर में रविवार को आयुर्वेद आहार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी में पारंपरिक अनाज, औषधीय पेय, स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन और औषधीय पौधों से बने आहार को प्रदर्शित किया गया। आगंतुको को इन आहारो के पौष्टिक तत्वों, औषधीय महत्व और रोग-निवारक गुणों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय और भारद्वाज इकाइयों के बी.ए.एम.एस. विद्यार्थी और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। विद्यार्थियों द्वारा सजाए गए स्टॉल और प्रस्तुत आहार समाज में संतुलित और सात्त्विक भोजन संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश देते रहे।

संयोजक डॉ. विनम्र शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. शांति भूषण, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. देवी, डॉ. रिनझिन, डॉ. नवीन, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. अभिजीत आदि मौजूद रहे।

क्षयरोग से बचाव के प्रति नर्सिंग छात्राओं ने किया जागरूक

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के अंतर्गत संचालित नर्सिंग विभाग की एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष और बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने क्षयरोग मुक्त भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान के तहत ओंकार नगर में हुए इस कार्यक्रम में मूक अभिनय के माध्यम से महिलाओं को क्षयरोग के इलाज और रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर को स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 10 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जागरुकता का कार्यक्रम नर्सिंग की शिक्षिकाओं रजिथा आरएम, प्राची यादव एवं गरिमा चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

समाचार पत्रों में सेवापथ

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है रासेयो : डॉ. अनुराग

एमजीयूजी में मनाया गया रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें

स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मानव श्रृंखला भी बनाई। रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है। रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्वों के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, डॉ.रवि झा, अनिकेत मल्ल, मान त्रिपाठी, विजय चौधरी के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करता है राष्ट्रीय सेवा योजना : डॉ. अनुराग

»एमजीयूजी में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का 57वां स्थापना दिवस

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखला बनाकर एकता और सामाजिक दायित्व का संदेश दिया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड

रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रिय सेवा योजना युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करती है और उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने संगठन के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की शपथ दिलाई गई, जिसमें मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति और महिला सशक्तिकरण को भी जोड़ा गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, डॉ. रवि झा, अनिकेत मल्ल, मान त्रिपाठी और विजय चौधरी सहित समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है रासेयो : डॉ. अनुराग

एमजीयूजी में मनाया गया रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 24 सितम्बर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मानव श्रृंखला भी बनाई।

रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज

और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है। रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी।

साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्यो के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, डॉ.रवि झा, अनिकेत मल्ल, मान त्रिपाठी, विजय चौधरी के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है रासेयो : डॉ अनुराग

एमजीयूजी में मनाया गया रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह

गोरखपुर (बिधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मानव श्रृंखला भी बनाई।

रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है। रासेयो के

कार्यक्रम समन्वयक डॉ अखिलेश कुमार दूबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी।

साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्यो के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ आयुष कुमार पाठक, डॉ रश्मि झा, डॉ अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ श्रीनाथ आर, डॉ वैशाख आर, डॉरवि झा, अनिकेत मल्ल, मान त्रिपाठी, विजय चौधरी के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है रासेयो

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मानव श्रृंखला भी बनाई।

रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्यो के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डा. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डा. आयुष कुमार पाठक, डा. रश्मि झा, डा. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

■ एमजीयूजी में मनाया गया रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है रासेयो : डॉ. अनुराग

एमजीयूजी में मनाया गया रासेयो का 57वां स्थापना दिवस समारोह

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवको ने मानव श्रृंखला भी बनाई। रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है। रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के इतिहास और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। साध्वी नन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्वो के लिए शपथ दिलाई गई, जिसमे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत नारी शक्ति एवं महिला सशक्तिकरण विषय को भी समाहित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता चिकित्सा विज्ञान संकाय डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, डॉ.रवि झा, अनिकेत मल्ल, मान त्रिपाठी, विजय चौधरी के साथ समस्त इकाई के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वचछता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाया, कचरा उठाया और प्लास्टिक व अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान को परिसर से बाहर ले जाने का संकल्प लिया।

सेवा पखवारे के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में गुरुवार को 'विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत' विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में आयोजित हुई प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन भी हुआ। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। (विज्ञप्ति)।

एमपी इंटर कालेज में एनसीसी कैडेटों ने किया श्रमदान

गोरखपुर: महाराणा प्रताप इंटर कालेज एवं 44वीं यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" का आयोजन किया गया। प्रातः आठ से नौ बजे तक चले कार्यक्रम में एनसीसी जूनियर एवं सीनियर डिवीजन के कैडेटों ने विद्यालय परिसर के विभिन्न भागों की सफाई कर श्रमदान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। यह श्रमदान विद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन दीपक शाही एवं फर्स्ट अफसर भारत सिंह के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ विज्ञान अध्यापक विष्णु कुमार सिंह ने कैडेटों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं श्रमदान के आपसी संबंधों पर विस्तृत जानकारी दी। कैडेटों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा.अरुण कुमार सिंह ने एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य ने स्वच्छता के महत्व, गंदगी से होने वाली बीमारियों एवं उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी और सभी कैडेटों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार ज्ञापित किया। -विज्ञप्ति

'एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपेक्षा की स्थिति में इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड

हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई के द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। 25 सितम्बर को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मे माता शबरी इकाई, राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमामय ढंग से मनाया गया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय फार्मासिस्ट महासंघ द्वारा शुरू किया गया था, ताकि फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवाओं मे महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी जा सके। इस दिन का उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता, उनके सुरक्षित उपयोग और जनस्वास्थ्य में फार्मासिस्टों के योगदान के प्रति समाज को जागरूक करना है। फार्मासिस्ट न केवल दवाओं का वितरण करते हैं बल्कि रोगियों को सही परामर्श और उपचार की दिशा भी प्रदान करते है, इसलिए यह दिवस उनके समर्पण को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा क्विज प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, रंगोली निर्माण तथा वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस आयोजन में फार्मेसी विभाग के सभी शिक्षकगणकृ श्री सुधांशु मिश्रा, श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, श्री प्रवीन कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री पीयूष आनन्द, श्री दीपक कुमार, सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री नंदिनी जायसवाल ओर सुश्री श्रेया मद्धेशियाकृउपस्थित रहे और छात्रों का उत्साहवर्द्धन किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस प्रकार के आयोजन छात्रों में न केवल शैक्षणिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देते हैं बल्कि रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता को भी सशक्त बनाते है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

रासेयो इकाइयों ने चलाया स्वच्छता अभियान

»स्वयंसेवकों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

स्वतंत्र चेतना, नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों ने एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित किया गया। अभियान को प्रभावी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र और भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका तथा उसके आसपास सफाई की। अत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कॉलेज भवन के निकट श्रमदान किया। आर्यभट्ट और पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे को स्वच्छ बनाया, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर और उद्यान की साफ-सफाई की। माता अनुसुइया और गार्गी इकाई ने नर्सिंग कॉलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम और विश्वविद्यालय मुख्य द्वार पर सफाई अभियान चलाया। शिवाजी और महंत अवेद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास और ऑडिटोरियम परिसर को स्वच्छ किया, जबकि मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह और प्रशासनिक भवन के क्षेत्र में श्रमदान किया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने झाड़ू लगाई, कचरा उठाया, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया तथा स्वच्छता के महत्व को लेकर जागरुकता भी फैलाई। सभी इकाइयों ने संकल्प लिया कि वे केवल विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं बल्कि अपने घर, मोहल्ले और गाँवों में भी स्वच्छता की अलख जगाएँगे। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. आयुष पाठक, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर. और डॉ. वैशाख आर. ने सक्रिय भूमिका निभाई।

समाचार पत्रों में सेवापथ

एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि (एमजीयूजी) में रासेयो की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विवि स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

एमजीयूजी में आयोजित हुआ वृहद स्वच्छता अभियान'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी

गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कॉलेज भवन के आस–पास श्रमदान किया। आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कॉलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस–पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं ऑडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाई, कचरा उठाया, प्लास्टिक एवं अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया तथा स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया। सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे केवल विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं, बल्कि अपने घर, मोहल्ले और गाँवों में भी स्वच्छता की अलख जगाएँगे। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने किया। उनके साथ डॉ. आयुष पाठक, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुश्री गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर. एवं डॉ. वैशाख आर. ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एमजीयूजी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में माता शबरी इकाई, राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े ही उत्साह

और गरिमामय ढंग से मनाया गया। विश्व फार्मासिस्ट दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय फार्मासिस्ट महासंघ द्वारा शुरू किया गया था, ताकि फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी जा सके। इस दिन का उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता, उनके सुरक्षित उपयोग और जनस्वास्थ्य में फार्मासिस्टों के योगदान के प्रति समाज को जागरूक करना है। फार्मासिस्ट न केवल दवाओं का वितरण करते हैं बल्कि रोगियों को सही परामर्श और उपचार की दिशा भी प्रदान करते हैं, इसलिए यह दिवस उनके समर्पण को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा क्विज प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली निर्माण तथा वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। आयोजन में फार्मेसी विभाग के सभी शिक्षकगण— सुधांशु मिश्रा, शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, प्रवीन कुमार सिंह, दिलीप मिश्रा, पीयूष आनन्द, दीपक कुमार, पूजा जायसवाल, नंदिनी जायसवाल और श्रेया मद्धेशिया उपस्थित रहे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रकार के आयोजन छात्रों में न केवल शैक्षणिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देते हैं, बल्कि रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता को भी सशक्त बनाते हैं।

एमजीयूजी में आयोजित हुआ वृहद स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कॉलेज भवन के आस–पास श्रमदान किया। आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कॉलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस–पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं ऑडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाई, कचरा उठाया, प्लास्टिक एवं अपशिष्ट पदार्थों का संग्रह किया तथा स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया। सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे केवल विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं, बल्कि अपने घर, मोहल्ले और गाँवों में भी स्वच्छता की अलख जगाएँगे। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने किया। उनके साथ डॉ. आयुष पाठक, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुश्री गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर. एवं डॉ. वैशाख आर. ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सेवा पखवाड़ा के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ाद्2025 के अंतर्गत "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मधुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

समाचार पत्रों में सेवापथ

सेवा पखवाड़ा के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर (गो॰मे॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत "विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत" विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपाध्याय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मधुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

रासेयो ने एमजीयूजी में चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक इकाई को विशिष्ट क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई। अष्टावक्र एवं भारद्वाज इकाई ने आयुष वाटिका एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। आत्रेय इकाई ने आयुर्वेद कालेज भवन के आस-पास श्रमदान किया। आर्यभट्ट एवं पारिजात इकाई ने कृषि संकाय के बगीचे की सफाई की, वहीं माता शबरी इकाई ने मंदिर परिसर एवं बाग की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। माता अनुसुइया एवं गार्गी इकाई ने नर्सिंग कलेज, माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के आस-पास श्रमदान किया। इसी प्रकार शिवाजी एवं महंत अवैद्यनाथ इकाई ने पुरुष छात्रावास एवं अडिटोरियम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा मैत्रेयी इकाई ने अतिथि गृह एवं प्रशासनिक भवन के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का दायित्व निभाया।

एमजीयूजी में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (गो॰मे॰सं॰)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल

अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपेक्षा की स्थिति में इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. रश्मि झा ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय अडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल के संचालन में हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के कुल 49 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्र सेवा जैसे विषयों पर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. संदीप श्रीवास्तव, सुमन यादव एवं डा. रवि कुमार शामिल शामिल रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में अष्टावक्र इकाई की खुशी उपायाय को प्रथम स्थान, शिवाजी इकाई की मुमाला को द्वितीय स्थान तथा अन्विषा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. शालिनी मान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। यदि इसकी उपेक्षा की गई तो इसके दुष्परिणाम समाज को लंबे समय तक झेलने पड़ेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हैंड हाइजीन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा ने की।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसे व्यवहार में उतारना ही सच्चे अर्थों में स्वच्छता का पालन है। विश्वविद्यालय स्तर पर मिशन शक्ति 5.0 की नोडल अधिकारी सुमन यादव ने स्वयंसेवकों को महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना में महिलाओं की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in